Chapter- 5

तामिलनाडु

STUDY NOTES MIND MAP

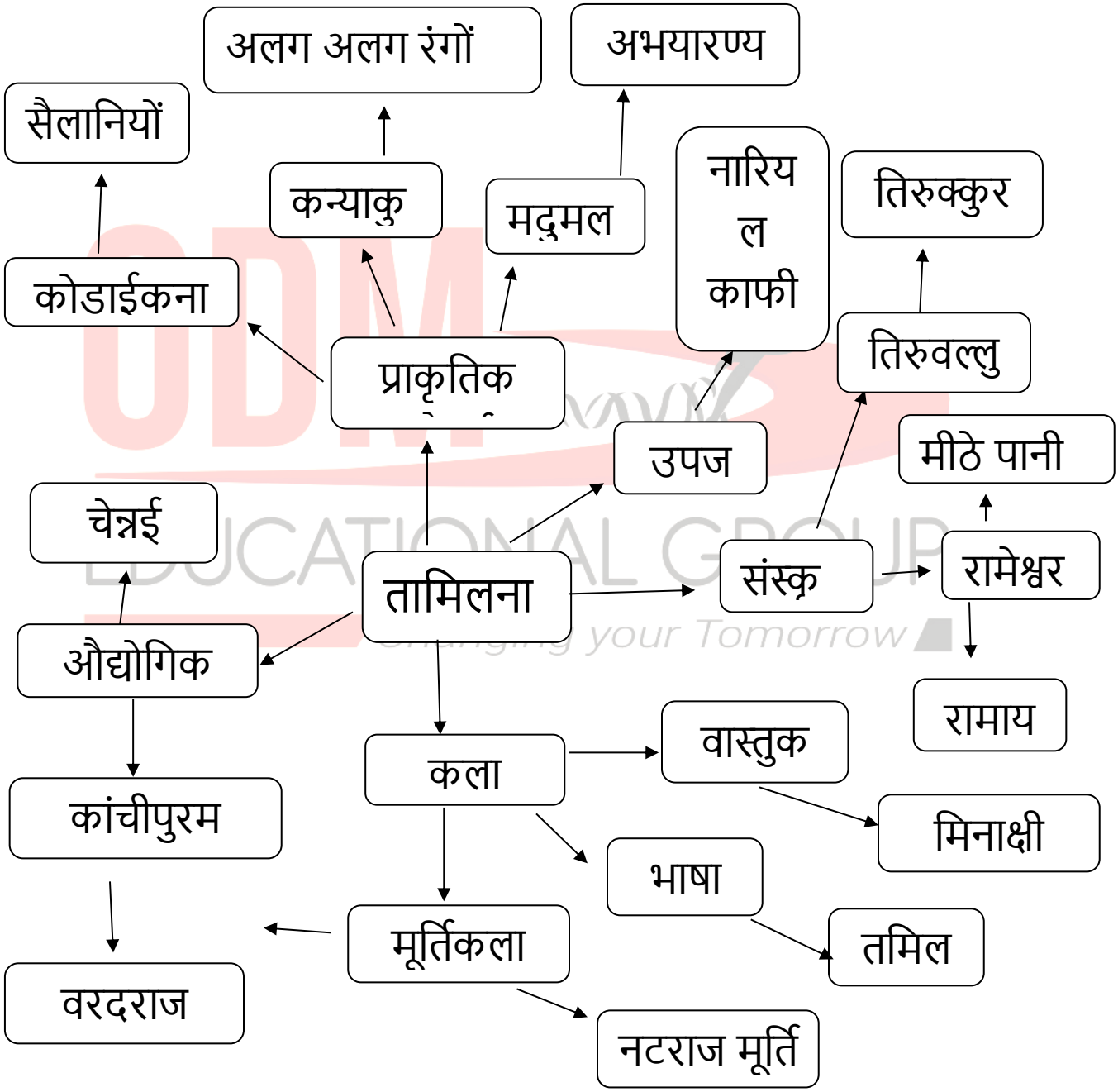

Heeþ ÒeJesMe –

भारत बहु भाषीय देश है। यहां कला, संस्कृति, धर्म,भाषा को लेकर हर एक राज्य अपनी अलग-अलग परंपरा लिए खड़ा है। दक्षिण प्रांत में तमिलनाडु का अपना अपना महत्व है। यहां की कला, संस्कृति,रहन- सहन की जानकारी देना इस पाठ का प्रमुख उद्देश्य है। भारत के अलग-अलग राज्य की अपनी अनोखी शान है।
'मंदिरों का राज्य' से प्रसिद्ध तमिलनाडु भारत के दक्षिण में स्थित है।

यह राज्य धान के लहलहाते खेतों, हरी–भरी नीलगिरी पर्वत श्रृंखलाओं व समुद्र की उठती–गिरती लहरों से ओत–प्रोत है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस राज्य में मूर्ति व भवन निर्माण के सुंदर नमूने देखने को मिलते हैं। मीनाक्षी मंदिर (मदुरै), वरदराज मंदिर (कांचीपुरम्) तथा कामाक्षी मंदिर वास्तुकला व मूर्तिकला का अनूठा संगम है। इनके अतिरिक्त तमिलनाडु के दर्शनीय स्थलों में चिदंबरम नामक स्थान पर नृत्यमुद्रा में नटराज शिव की मूर्ति है जो काफ़ी प्रसिद्ध है, क्योंकि इस प्रकार की यह एकमेव मूर्ति है। धार्मिक स्थलों में कन्याकुमारी और रामेश्वरम् प्रसिद्ध है। रामेश्वरम् के शिव मंदिर का संबंध रामायण से है। मीठे पानी के कुंड भी आकर्षण का केंद्र हैं। कन्याकुमारी का मंदिर समुद्र के किनारे पर स्थित है तथा इसके आसपास अलग–अलग रंग की रेत है। तमिलनाडु संत कवि तिरुवल्लुवर का जन्म स्थान है। इनकी एक कृति को तमिल भाषा के वेद की मान्यता प्राप्त है। कोंडाईकनाल व उदकमंडल यहाँ के पर्वतीय स्थल हैं। तमिलनाडु के निवासियों का रहन–सहन साधारण है। वे द्रविड़ हैं तथा उनकी भाषा तमिल है। नारियल, कॉफी, काजू तथा चावल यहाँ की मुख्य फ़सल है। तमिलनाडु के लोग संगीतप्रिय तथा धार्मिक प्रवृत्ति के हैं। वहाँ का मदुमलई अभयारण्य देखने योग्य है।